वर्ण तथा शब्द-विचार
(1st part)

* ध्वनी
* वर्ण
* वर्णमाला

1. जब हम बोलते है तब हम अनेक "ध्वनियों" का प्रयोग करते है।
2. ध्वनी का मौखिक एवं लिखित रूप वर्ण कहलाता है।
अर्थात् हम कह सकते है कि ध्वनी की सबसे छोटी इकाई वर्ण है।
3. वर्णो के समूह को वर्णमाला कहते है।

वर्ण के दो प्रकार

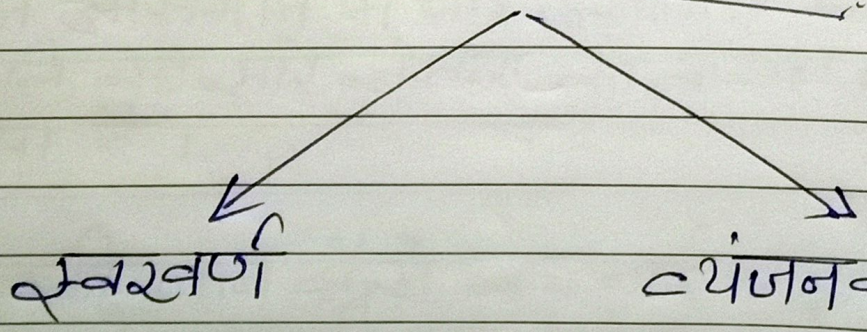

स्वर वर्ण → जिन ध्वनियों को बोलने में कोई रुकावट नही होती, उन्हें स्वर वर्ण कहते है।
उदाहरण - अ, आ, इ, ई . . . .।

व्यंजन वर्ण → जिन ध्वनियों को बोलने के लिए स्वर की आवश्यकता होती है, उन्हें व्यंजन वर्ण कहते हैं।
उदाहरण – क, ख, ग, घ - - - - ।

अन्य ध्वनियाँ :

1. अनुस्वार (ं)
2. अनुनासिक (ँ)
3. अर्धबिन्दु (ॅ)
4. विसर्ग (:)
5. हलंत (्).
6. संयुक्त व्यंजन → क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ।

1. अनुस्वार – अनुस्वार को एक बिन्दु के रूप में लिखा जाता है।
उदाहरण – जंगल, गंगा, झंडा आदि ।

2. अनुनासिक – अनुनासिक को चन्द्रबिन्दु के रूप में लिखा जाता है।
उदाहरण – माँ, आँख, उँगली आदि ।

3. अर्धबिन्दु – " ॅ " इस चिह्न के द्वारा अर्धबिन्दु को लिखा जाता है।
अर्धबिन्दु को हम मुख्यतः अंग्रेजी शब्दों के लिए ही प्रयोग करते हैं।
उदाहरण – ऑफिस, कॉलेज, डॉक्टर आदि ।

स्वरों के निर्धारित चिह्न ही उनकी मात्राएँ कहलाती हैं।

स्वर	मात्रा	मात्राएँ जुड़ी व्यंजन
अ	कोई मात्रा नहीं	क
आ	ा	का
इ	ि	कि
ई	ी	की
उ	ु	कु
ऊ	ू	कू
ऋ	ृ	कृ
ए	े	के
ऐ	ै	कै
ओ	ो	को
औ	ौ	कौ
अँ (अन्य ध्वनी)	ँ	कँ

वर्ण तथा शब्द-विचार
(2nd part)

4. विसर्ग (:) → स्वर के बाद लगने वाले बिंदु(:) विसर्ग होते हैं। इनका उच्चारण ह् के समान होता है।

उदाहरण - फलतः, प्रातः, दुःख, पुनः, अतः आदि।

5. हलंत (्) → स्वर रहित व्यंजन का प्रयोग करते समय उसके नीचे एक तिरछी रेखा (्) लगा दी जाती है। इसे हलंत चिह्न (्) कहते हैं।

उदाहरण - मिट्टी, खट्टा, लट्ठा आदि।

6. संयुक्त व्यंजन → (क्ष, त्र, ज्ञ, श्र)
दो व्यंजन के जुड़कर बने व्यंजनों को ही संयुक्त व्यंजन कहा जाता है।

	उदाहरण
क् + ष = क्ष	कक्षा, वृक्ष
त् + र = त्र	पत्र, मित्र
ज् + ञ = ज्ञ	ज्ञान, यज्ञ
श् + र = श्र	आश्रय, श्रम